यह

शिक्षक निर्देशिका

पहली की कार्यपुस्तिका के साथ प्रयोग के लिये लिखी गई है। यह निर्देशिका उपयोग, टिप्पणी व संशोधन के लिये प्राशिका के सभी साथियों को लिये प्रस्तुत की जा रही है।

* प्राशिका
"एकलव्य"
कोठी बाजार
होशंगाबाद (म०प्र०)
461001.

सामान्य निर्देश

यह पुस्तक कक्षा पहली के बच्चों के लिए तैयार की गई है। पुस्तक बच्चों की रूचि के अनुकल बनाने की की कोशिश की गई है। बच्चों को चित्र अधिक पसन्द होते हैं अतः इसमें चित्रों की पर्याप्ता का पूरा ध्यान रखा गया है। हां, एक चीज की कमी जरूर अखरेगी। वह है रंग। लेकिन पुस्तक मूल्य को ध्यान में रखते हुए इसे पूरा नहीं किया जा सका। यदि इसे रंगीन बनाते तब कार्यपुस्तिका आकर्षक तो हो जाती किन्तु बच्चों का रूचिकर काम (रंग भरना) छूट जाता अतः पुस्तक में यह काम हम बच्चों के लिए छोड़ रहे हैं। इसी लिए पन्नों के बीच कहीं-कहीं कोरे पन्ने भी छोड़े गए हैं ताकि बच्चे उन पर अपनी पसन्द का काम (चित्र बनाना, पैटर्न बनाना या अन्य) कर सकते हैं। पसन्द के काम में पन्ने फाड़ना शामिल नहीं है। इसके लिए शिक्षक व बच्चे दोनों दोनों को पुस्तक का ध्यान रखना होगा।

बच्चों को चित्र बनाना, रंग भरना, कहानी सुनना/सुनाना, कविता, गीत गाना बहुत भाता है किन्तु इस किताब में ये सब नहीं है। हां, इसके अधिकांश पाठ ऐसे हैं जिनसे की गतिविधि करवाई जा सकती है। जैसे-रंग भरने का काम प्रायः सभी चित्रों/पन्नों में करवाया जा सकता है। तो क्यों न हम इसे अपनी जरूरत के अनुसार इस्तेमाल करें। जैसे रंगों की पहचान के लिए हम बच्चों को कह सकते हैं, इस चीज के चित्र में ये रंग भरो या इस चित्र में ये रंग भरो। इससे एक तरफ तो बच्चा रंगों की पहचान कर रहा है, दूसरा नामों के साथ वस्तु पहचान भी। जब बच्चा रंग पहचानने लगे तो हम उसकी इस क्षमता का उपयोग अन्य गतिविधि को समझने/समझाने में कर सकते हैं।

पुस्तक में तो चित्रों की भरमार है तो हम इन्हें अलग-
तरह से इस्तेमाल कर सकते हैं। जैसे- आवरण पृष्ट से ही ती
अलग-अलग कहानियां सुनाई जा सकती हैं। एक तो बिल्ली
चिड़ियां वाली, दूसरी शेर और हाथी की और तीसरी मेंढक
इसी तरह पिछले आवरण पृष्ट के अन्दर वाले भाग के बन्दर
कहानी और बाहरी भाग से चंगा-अष्टा का खेल खिलवाया
सकता है। किताब के अन्दर भी कई पन्नों में जैसे- लड्डू, ज
एवं अन्य पन्नों से चित्रों के आधार पर कहानी बनाकर सुना
जा सकती है। इसके लिए कहानी एवं कविता संग्रह की मदद
ली जा सकती है।

यह पुस्तक अन्य पुस्तकों से भिन्न है, विशेषकर रटाई
जैसे मामले में। इसमें बच्चों को रटने के लिए कुछ भी नहीं
छोड़ा गया है। इसमें सभी कुछ समझकर करने के लिए है।
इसमें बच्चे अपनी क्षमता, अपनी रूचि के अनुकूल कुछ कर
सकता है और इस सब में शिक्षक की एक महत्वपूर्ण भूमिका
है, एक मित्र की तरह मार्गदर्शन की।

पुस्तक में चित्र बच्चों की समझ व पर्यावरण को
ध्यान में रखकर बनाने की कोशिश की है ताकि बच्चे उन्हें
देखकर, समझकर आपस में एवं गुरूजी के साथ बातचीत में
भाग ले सकें। गुरूजी भी बच्चों की रूचि व जरूरतों को
ध्यान में रखते हुए उन्हें ऐसा करने का मौका दें। अधिकांश
पन्नों में चित्रों पर रंग भरवाना, कहानी/कविता, चि
से बताना, मौखिक बताना, सुनाना, सभी कुछ करवाया जा सकत
है। इसके लिये गुरूजी को बच्चों की जरूरत व अपनी समझ

अनुसार क्रम निर्धारित करना होगा । कहां रंग भरना है, कहां कौन सी कहानी या कविता सुनानी है, सभी कुछ कक्षा परिस्थिति अनुसार शिक्षक को तय करना होगा ।

चर्चा/बातचीत भी एक ऐसा ही मुद्दा है । इसे प्रत्येक पन्ने के साथ जोड़ा जा सकता है । चर्चा की शुरूआत चित्रों से कविता या कहानी सुनाकर या अन्य किसी तरह से शुरू कर सकते हैं । हां, पन्ना करवाने के पूर्व उसके चित्र और पन्ने में जो करवाना है बच्चों को समझ आ जाना चाहिए । किस पन्ने से कब, कहां तक और किस बिन्दु पर विस्तृत चर्चा करनी है शिक्षक को कक्षा व बच्चों की रूचि को ध्यान में रखकर तय करना होगा । चर्चा के दौरान स्वाद, रंग, उपयोग, आकार, स्थान आदि बिन्दुओं पर बात की जा सकती है । इस तरह की चर्चा/बातचीत के दौरान ध्यान देना होगा कि बच्चों को अधिक-से-अधिक बोल पाने का मौका मिले और प्रत्येक बच्चा बोल पाये, अपनी बात बता पाये ।

किताब में पृष्ठ क्रमांक नहीं दिये गए हैं अत: शिक्षक, बच्चों के साथ जब भी इसे इस्तेमाल करें तो कभी पाठ का नाम लेकर पाठ निकलवाकर या कभी पन्ने गिनकर निकलवाना । जैसे- पांचवा पन्ना निकालो ? या रेलम-रेल का पाठ निकालो । इसके लिए एक-दो बार उन्हें पन्ने गिनकर एवं पाठ निकालकर समझाना होगा । इससे शब्द पहचान व गिनना दोनों में मदद मिलेगी ।

ये तो हुई कुछ गतिविधियां जिन्हें अधिकांश पन्नों से जोड़कर करवाई जा सकती है। इसके साथ ही कुछ निर्देश भी हैं जिसमें ये बताने की कोशिश की गई है कि प्रत्येक पन्ने को बनाते समय क्या उद्देश्य सोचकर तैयार किए गए थे। वर्कबुक के पन्नों के क्रमानुसार निर्देशिका में भी उसी क्रम में निर्देश लिखे जा रहे हैं। अत: इन्हें पन्नों के नाम या क्रम के आधार पर ढूंढकर इनका उपयोग करें। वर्कबुक के पन्नों से निर्देश/सुझाव के अलावा और भी उद्देश्य हल किए जा सकते हैं। एक पन्ने का दोहरा उपयोग भी संभव है किन्तु मूल उद्देश्य भी ध्यान में रखना होगा। यदि एक पन्ना करवाते समय लगे कि बच्चे कुछ चीजें नहीं कर पा रहे हैं तो उसे समझकर बच्चे में उस क्षमता को विकसित करना होगा जैसे- जोड़ के दौरान बच्चा तीन और तीन का योगफल छ: के बजाये चार या अन्य कुछ लिखता है तो हमें बच्चे को पहले तीन का मान यानी तीन वस्तु की अवधारणा समझानी होगी इसके बाद जोड़। यदि लगे कि इस पन्ने से भी इस गतिविधि को करवाया जा सकता तो उस पन्ने का इस्तेमाल किया जा सकता है।

इस निर्देशिका में बीच-बीच में कोरें पन्नें छोड़े गए हैं इन पर वर्कबुक के इस्तेमाल करते समय पन्ने से संबंधित निर्देश अनुभव व सुझाव लिख सकते हैं।

कार्य पुस्तिका एवं निर्देशिका से संबंधित आपके अनुभव, सुझाव संशोधन से संबंधित बातें, इस पते पर भेजें -

प्रशिक्षा, एकलव्य
एकलव्य,
कोठी बाजार, होशंगाबाद 461001

उद्देश्य :

1. आकृति पहचान ○ △ □
2. आकृति के अंदर रंग भरना ।
3. रंगों की पहचान ।

अन्य:

1. चित्र में पूरे पन्ने पर चौकोर, गोल आकृति, गिनना किस चित्र में कितनी ○ △ □ आकृतियां हैं ?
2. रेलगाड़ी पूरी बनाने के बाद डिब्बों पर गिनती क्रमशः 1, 2, 3, 4, लिखवाई जा सकती है ।

निर्देश :

1. ऊपर बनी आकृतियों ○ △ □ में अलग-अलग लाल, पीला, हरा रंग भरवाना ।
2. पन्ने पर बने चित्रों में आकृति ढूंढो, ऊपर जैसा रंग भरो ।
3. रेलगाड़ी के शेष डिब्बे बनवाना ।
4. रेलगाड़ी की कविता सुनना/सुनाना । रेल शब्द एवं अन्य शब्दों की पहचान, बातचीत ।

चर्चा : रेलगाड़ी, ट्रक, नाव, साइकिल के चलने पर आवाज, (ध्वनि पहचान) यातायात के अन्य साधनों पर बातचीत ।

भूल-भुलैया

उद्देश्य :

► हाथों के लिए अभ्यास ►

निर्देश :

► पन्ने पर बनी आकृतियों पर अंगुली से घुमाकर/ फेरकर देखो। घर [ ] ◎ में फंसे चूहा, बिल्ली, लड़का, लड्डू बाहर तक पहचानों, अंगुली, पेन्सिल की मदद से। ऐसे स्लेट पर बनाओ।

2. बनी आकृतियों को अलग-अलग वस्तुओं की मदद से बनाओ - जैसे- तीली, धागा (गीला करके) खपरा के टुकड़ों से, चूड़ी के टुकड़े से, कंकड़, मिट्टी, कागज, तार धूल आदि।

सुझाव : जरूरी नहीं कि एक ही सामग्री से सभी तरह की आकृति बन जाए। इसके लिए तरह-तरह की सामग्री का प्रयोग किया जा सकते हैं। साथ ही अलग-अलग तरह से भी बनाई जा सकती है। जैसे- कागज पर, स्लेट पर। धूल से।

उद्देश्य :

1. लिखाई के पूर्व का अभ्यास ।
2. क्रम समझना ।
3. हाथों के लिए अभ्यास ।

निर्देश :

1. स्लेट व मिट्टी पर और ऐसा ही बनाओ ।
2. कैसे, कहां बनाना है, बच्चों को शुरू में ही किताब से समझाना जरूरी है ।
3. नीचे बने गोलों में आकृति जोड़कर ऊपर जैसा बंदर बनाओ ।
4. स्लेट पर बंदर बनाकर देखो, पूरा बनवाने की कोशिश करना । जैसा भी बच्चे बना सकें ।

सुझाव :

क्रम को आगे बढ़वाने या इसी को बार-बार दोहराने से, बच्चों को नीरस काम न लगे । बनाई हुई आकृति से उनको भी कुछ मज़ा आए इसी को ध्यान में रखकर इन्हीं आकृति को जोड़कर बन्दर बनाया है । आप और भी चीजें बनवा सकें तो बच्चे भी कुछ नया सोचने व बनाने के लिए प्रोत्साहित होंगे ।

उद्देश्य :   आम, संतरे और डिब्बे

1. क्रम समझना (आकृति व संख्या के आधार पर ।)
2. (कुल चीजें) गिनवाना ।

निर्देश :

1. क्रम समझकर कुल चीजें बनवाना ।
2. प्रत्येक लाइन की खींची - - - - जगह पर क्रम बनवाना जैसा पहले बना है ।

सुझाव :

आप पन्ने पर बनी आकृतियों के अलावा और भी आकृति बनवा सकते हैं । किन्तु ध्यान रहे की आकृति ऐसी हो जिन्हें बच्चे आसानी से बार-बार बना सकें । इन्हें किताब के अलावा क्रम की अवधारणा को ध्यान में रख कर ठोस वस्तुओं से भी करवाना चाहिए ।

उद्देश्य :

1. छाँटना, समूह बनाना
2. गिनना ।
3. ध्वनि के साथ शब्द पहचान ।

निर्देश :

1. सामूहिक/व्यक्तिगत/खेल में कविता गाना ।
2. कविता में शब्द पहचान/अक्षर पहचान कर गोले लगवाना, पढ़ना/पढ़वाना ।
3. फल व पत्ती को अलग-अलग समूह में छटवाना ।
4. अलग-अलग कंकड़ एवं बीज रखवाकर गिनवाना, कितने फल, कितनी पत्ती/ज्यादा-कम, पूछना ।

चर्चा :

पत्ते के आकार नुकीला, गोल पर बातचीत पहचान, फलों के स्वाद, आकार, रंग आदि पर बातचीत करना ।

उद्देश्य :-

कौन-कहाँ

1. संबंधात्मक अवधारणा विकसित करना/समझाना ।
2. वस्तुओं के साथ लिखित नाम की पहचान ।
3. गिनना, अंक पहचानचित्र गिनकर संख्या के आधार पर अवधारणा विकसित करना ।

अन्य :- कविता में आए चित्रों के नाम के अलावा और शब्दों परिचय, कविता गाने के साथ-साथ ।

निर्देश :-

1. कविता सुनाना/सुनना, सामूहिक, टोली में फिर व्यक्ति
2. वस्तुओं के साथ उनके लिखित नाम पढ़ना/पढ़वाना, सम बच्चों को बताना की ये चित्रों के नाम लिखे हैं ।
3. कविता के नीचे बने चित्रों के नाम ढूढ़ना उनपर गोले
4. पहचान वाले शब्दों को क्रम बदलकर लिखना, जैसे-ताला को चाबी ताला इसी तरह अन्य शब्दों के साथ करना
5. नीचे बने चित्र गिनवाना कम-ज्यादा, बराबर छा• से
6. चित्रों को संबंध के आधार पर लाइन खींचकर जोड़ना ताला चाबी, साथ में गिनती अंक भी लिखवाना है जैसे गिल्ली (4) तो डंडे के बगल से (4) लिखना होगा

चर्चा/बातचीत :-

मेला आसपास कहाँ लगता है ? कब ? तुमने कब देखा है, खरीदा ? क्या-क्या बिकता है आदि अनेक पहलुओं पर जा सकती है ।

-***

मछली पानी में रहती है।

उद्देश्य :

1. एक-एक संगति से गिनने की प्रक्रिया की शुरूआत ।
2. इधर-उधर, ऊपर-नीचे की अवधारणा विकसित करना।
3. मछली के लिखित नाम की पहचान ।

अनुभव : अलग-अलग तरह से मछलियों की गिनती जैसे ऊपर कितनी मछली जा रही हैं, नीचे कितनी । पूंछ वाली कितनी, बिना पूंछ की कितनी आदि ।

निर्देश :

1. हर मछली पर एक कंकड़ रखो । गिनो कुल कितनी मछली हैं ।
2. गिनकर बताओं ऊपर की तरफ कितनी मछली जा रही हैं, रही हैं, फिर नीचे, इधर-उधर ।
3. पूंछ वाली कितनी मछली हैं बिना पूंछ की कितने कौनसी कौनसी ज्यादा है । कौनसी कम और कितनी ज्यादा (संख्या के आधार पर) और कितनी ?
4. मछली की पूंछ लगाओ/बनाओ । आधी पत्ती, कागज पेन्सिल की मदद से ।
5. हर मछली के पेट पर "मछली" लिखवाना ।

सुझाव : शिक्षक बच्चों से पन्ने पर और भी (संबंधित) चीजें जैसे- पानी के बुलबुले, छोटी मछली आदि बनवा सकते हैं ।

उद्देश्य :

1. आकृति पहचान एवं उनसे नई चीजें बनवाना ।
2. हाथों के कौशल विकसित करने के लिए ।

निर्देश :

1. नरम तार, मिट्टी, खप्परा/ईंट के टुकड़ों से तीलियों से ○ △ □ बनवाना । फिर इन्हीं से आकृतियां बनाने को कहना । फूल, घर, मंदिर आदि ।
2. स्लेट पर बनवाना ।
3. पन्ने पर बने चित्रों में शिक्षक बोलें और बच्चे उनके कहे अनुसार लाल, नीला, पीला जैसा रंग शिक्षक कहे, बच्चे उन आकृतियों में वैसा ही रंग भरे ।
4. आकृति पहचान के साथ उन्हें जमाने के क्रम पर ध्यान देना चाहिए । जितनी आकृति चित्र में बनी हैं उतनी ही बच्चे भी बनाए । इससे गिनने व क्रम में बनवाने में मदद मिलेगी ।

सुझाव : सभी बच्चों से ○ △ □ खपरा/ईंट, मिट्टी तीली से बनवाना ताकी उनके हाथों के कौशल विकसित हो सकें जो आगे कलम पकड़ने और लिखाई जैसे कामों में मदद-गार होंगे ।

क्या है लंबा, क्या है गोल ।

उद्देश्य :

1. आकार की पहचान ।
2. आकार के आधार पर समूह छाटना ।
3. शब्द पहचान ।

निर्देश :

1. लम्बी व गोल वस्तुओं पर चर्चा ।
2. कविता गाना और आकार की पहचान पर जोर और कौनसी वस्तुएं लम्बी /गोल होती हैं ।
3. लम्बी व गोल वस्तुओं से छांटकर उनका चित्र/नाम नीचे ▯ व ◯ में अलग-अलग लिखवाना ।
4. गोल-गोल एवं अन्य शब्द पहचान करवाना उन पर गोले लगवाना ।

सुझाव :

कविता संग्रह से गोल-गोल वाली कविता बच्चों के साथ गाना । एक्शन के साथ ।

उद्देश्य :

1. आकृति पहचान ।
2. समूह में जोड़ी बनवाना ।
3. आकृतियों से नए पैटर्न बनवाना ।

निर्देश :

1. तीन-तीन आकृतियों का समूह छांटना ।
2. समान आकृतियों (संख्यानुसार) वाले समूह की जोड़ी बनवाना ।
3. स्लेट, कंकड़, धूल एवं कागज पर ऐसे और अन्य तरह के पैटर्न (क्रम) बनवाना ।

सुझाव :

1. तीन तक के अंकों की अवधारणा स्पष्ट समझायी जा सक[illegible] है । जैसे तीन वस्तु दूर-दूर रखो या पास-पास या कि[illegible] भी क्रम में रखो वे तीन ही होंगी, दिखने में भले ही ([illegible] फल) ज्यादा या कम दिख सकती है और इस कम-ज्या[illegible] को मालूम करने के लिए गिनना जरूरी है ।

रेल - ४, ५, ६.

उद्देश्य :

1. ४, ५, ६ अंको की पहचान व उतनी ही चीजें गिनना ।
2. कम-ज्यादा, ऊपर-नीचे, तथा दिशा की अवधारणा विकसित करना ।
3. क्रम में जोड़ना यानि समान संख्या वाले वस्तु समूह जोड़ना ।

निर्देश :

1. कितनी रेलगाड़ी, प्रत्येक गाड़ी के डिब्बे, डिब्बों पर क्या-क्या कितना-कितना बना है गिनना । स्लेट तथा कोरे कागज पर और बनाओ।
2. समान संख्या वाले डिब्बों को इंजन से जोड़ना जैसे - ५ नं. की गाड़ी से पांच वस्तु (चित्र) के सभी डिब्बे जुड़ेंगे ।
3. डिब्बे-जोड़ने के बाद गिनवाना किस नम्बर की गाड़ी में ज्यादा एवं किस नं. की गाड़ी में कम डिब्बे हैं ।

चर्चा : रेल गाड़ी, उसकी ध्वनि, ईंधन आदि पर बातचीत ।

सुझाव : 1. रेलगाड़ी का खेल बच्चों को इंजन-डिब्बा बनाकर, पन्ने पर बने इंजन डिब्बे की संख्यानुसार रेलगाड़ी बनवाना और इंजन के साथ में नं. की तख्ती देकर खेल खिलवाना । साथ में रेलगाड़ी की कविता गाना/गवाना । कविता संग्रह की मदद ली जा सकती है ।

उद्देश्य :

1. एक-एक संगति एवं कम-ज्यादा।
2. गिनना।
3. शब्द पहचान।

अन्य : बोलकर रंग भरवाना।

निर्देश :

1. फूल व पत्ती पर कंकड़ व बीज रखकर एक-एक संगति करवाना।
2. कंकड़ व बीज को एक-एक रखकर देखना क्या कम, है क्या ज्यादा और कितना।
3. प्रत्येक डाली के फूल, फल एवं पत्ती/कंकड़ व बीज को रखकर गिनवाना।
4. चिड़िया, फूल, तितली चित्र पर नाम लिखवाना।

सुझाव :

1. इस पन्ने से पहले कम वस्तुओं के आधार पर एक एक संगति हो जानी चाहिए।
2. इस पन्ने पर भी कम वस्तुओं से ही शुरूआत हो तो अच्छा है जैसे- तितली और चिड़िया गिनना कम-ज्यादा।
3. तितली, फूल, चिड़िया को जोड़कर कहानी/कविता सुनाना/सुनना।

लड्डू

उद्देश्य :-

1. एक और की अवधारणा ।
2. गिन ।
3. गिनती का क्रम, वस्तु गिनकर अंकों में लिखना ।

निर्देश :

1. ऊपर की थालियों में एक और लड्डू बनाओ ताकि स सभी थालियों में ६-६ लड्डू हो जाएं ।
2. बीच की थाली के लड्डू गिनकर ऊपर बनी ।..४..। ।........। जगह पर अंकों में लिखो जैसे- ।○○○○। ।
3. बीच की सभी थालियों में एक और लड्डू बनाओ और उसे फिर से गिनकर नीचे छोड़े स्थान।.......। पर अंक में लिखो । जैसे पहली थाली में पहले ४ लड्डू थे अब एक और बनाने पर हम लिखेंगे।○○○○○। ।..५..।
5. नीचे वाली थालियों के लड्डूओं को गिनकर उनके नीचे छोड़ी जगह ।.....। पर गिनकर लिखो । जैसे- ।○○। ।..२..। ।○○○। ।..३..।
6. बीच की व नीचे की लाईन में समान लड्डुओं (संख्या वाले) की वाली थाली को लाईन खींचकर मिलाओ ।

रेलम रेल

उद्देश्य :-

1. 3 व 6 अंक की पहचान ।
2. अंकों का मान स्पष्ट हो । 3 का मतलब तीन चीं
   6 का मतलब छ: चीजें होती हैं ।

अन्य : अंक के आधार पर निश्चित संख्या चीजें बना

निर्देश :

1. गाड़ी नं. 3 के प्रत्येक डिब्बे पर तीन-तीन वस्तु
   वाना, इसी तरह 6 नं. गाड़ी के प्रत्येक डिब्बे
   छ: चीजें बनवाना ।
2. गाड़ी के प्रत्येक डिब्बे पर एक ☐ जगह बनी है
   बच्चों को डिब्बे में बनाई वस्तुओं को गिनकर ति
   है ।

सुझाव :

1. रेलगाड़ी की कविता/कहानी सुनाई जा सकती है
   (कविता संग्रह की मदद ली जा सकती है ।)
2. कक्षा में बच्चों को रेलगाड़ी का खेल खिलवाना ।
3. डिब्बों की गिनती करवाई जा सकती है ।

उद्देश्य :

1. छंटाई, उपयोग या संबंध के आधार पर ।
2. गिनना, कम ज्यादा ।

निर्देश :

1. सभी चित्रों की पहचान (नामों के साथ व उपयोग पर बातचीत ।
2. किसान, सब्जीवाला एवं लड़की को अलग-अलग रंग से रंगना । बाद में उसी रंग से उनसे संबंधित वस्तुओं को लाईन खींचकर उनके घर या सही जगह पहुंचाना । जैसे- यदि हम स्कूल व लड़की लाल रंग से रंगते हैं तो उससे संबंधित सभी वस्तुओं (किताबों, स्लेट आदि) को लाल लाईन से जोड़कर उसके स्थान तक पहुंचाएंगे, ऐसे ही अन्य ।
3. जब बच्चे सभी चित्रों में संबंध ढूढ़ ले तब गिनना किसके हिस्से में कितना सामान आया । किससे कम किससे ज्यादा ।
4. रेल, बस, आम पन्ने में चित्र के नीचे लिखवाना ।

सुझाव :

1. बस और रेल किसी समूह में न आएं अत: इन्हें कहानी या कविता का पात्र बनाया जा सकता है ।
2. चित्र कार्ड की मदद से ऐसी ही और गतिविधि करवाई जा सकती है ।
3. तीनों के पास और क्या-क्या हो सकता है ? इसका उपयोग आदि पर बातचीत ।

उद्देश्य :

1. गिनना, समूह मिलाना।
2. कम-ज्यादा बराबर की अवधारणा विकसित करना

निर्देश :

1. चित्र का नाम लेकर पूछना, मछली, फूल या अन्य किस गोले में कितने बने हैं।
2. एक-एक संगति से समान वस्तु संख्या अनुसार एक की दूसरे गोले से जोड़ी मिलाओ, लाईन खींचकर जैसे- एक फूल और एक पत्ती या तीन त्रिकोण और तीन आम।
3. शुरूआत कम वस्तु वाले गोले से हो तो आगे जोड़ी मिलाने में आसानी होगी।

सुझाव : इस पन्ने को करवाने से पहले वस्तु संख्या अनुसार तख्ते पर सरल गतिविधि करवा दी जाए तो इस पन्ने को समझने में मदद मिलेगी जैसे-तख्ते पर बच्चों से करवाना। →

चर्चा : फलों का स्वाद, रंग, अन्य वस्तु का उपयोग आदि।

हाथी
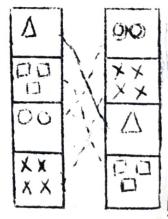
उद्देश्य :

1. शब्द पहचान ।
2. कम-ज्यादा, गिनना ।

निर्देश :

1. कविता तख्ते पर दो-दो लाईन लिखकर गाना/एक्शन के साथ दोहराना ।
2. तख्ते पर कविता दो लाइन लिखकर पढ़वाना (गाते-हुए) अंगुली रखकर । फिर किताब से ।
3. पहले कविता की एक पंक्ति में फिर दो में पूछना, हाथी कितनी बार आया । पूरी कविता में "हाथी" शब्द पर गोले लगवाना ।
4. प्रत्येक पंक्ति के एक-एक शब्द की पहचान पर जोर । जैसे आरम्भ में जब पानी आदि ।
5. जब बच्चे कुछ शब्द पहचानने लगे तो उन शब्दों को क्रम बदलकर पढ़वाना जैसे -"जब पानी" की जगह "पानी जब" ।
6. जो शब्द बच्चे पहचानने लगें उन्हें अन्य शब्दों के साथ तख्ते पर लिखकर उपयोग में लाते रहना चाहिये ।
7. नीचे लिखे शब्द एवं अक्षर सभी से पढ़वाना या साथ में दोहराना ।
8. केलों में, शब्दों में गिनती ज्यादा-कम पूछना ।
9. हाथी नाम में रंग भरना । ऊपर लिखे ।

सुझाव :

1. शब्द पहचान के लिए साथ में चित्र कार्ड का उपयोग भी करवाया जा सकता है ।

चर्चा : हाथी, उसके अंग, भोजन, नदी, तालाब, कुएं, नहर एवं उसमें पानी आदि पर बातचीत ।

कौन किससे बना

उद्देश्य :
1. शब्द पहचान । लिखाई ।
2. समूहीकरण ।
3. गिनती ।

निर्देश :
1. पन्ने पर बने चित्रों की पहचान । बताना कि चित्र के नीचे उसका नाम लिखा है ।
2. लिखाई से पूर्व मौखिक समूहीकरण (छटाई") पर बातचीत कौनसी चीज किस समूह में आएगी ।
3. तख्ते पर तालिका बनाकर बताना एवं लकड़ी, लोहा काँच एवं कागज शब्द की पहचान पर जोर देना ।
4. तालिका भरवाना जैसे-लकड़ी के नीचे लकड़ी की वस्तुओं के नाम, कागज के नीचे कागज की वस्तुओं के नाम लिखाना ।
5. गिनना तालिका में कौनसी चीज ज्यादा-बराबर या कम है ।

सुझाव :
1. स्लेट पर ऐसे ही और भी चित्र बनवाए जा सकते हैं
2. कागज से पतंग फिर कनी बनवाना ।
3. कार्ड की मदद से शब्द पहचान व समूहीकरण की ओर भी गतिविधि करवाई जा सकती हैं ।

[illegible] स्तर

उद्देश्य :

1. जोड़ ।
2. जोड़ के चिन्ह + से परिचय ।
3. उपयोग के दौरान कहां लिखें /बनाएं ।
4. शब्द एवं वाक्य पहचान ।

निर्देश :

1. पन्ने पर लिखवाने से पहले बच्चों से मौखिक पूछना दो आम और एक आम कितने हुए । ताकि हम कैसे लिखेंगे । हम कैसे लिखेंगे तख्ते पर लिखवाना । इस तरह और भी सवाल मौखिक पूछना ।
2. शब्दों में लिखा हुआ बच्चों को बताना, पढ़वाने की कोशिश करना । शब्द पहचान पर ध्यान देना ।
3. जोड़ के चिन्ह के बारे में बताना कहां, कब प्रयोग किया जाता है ।
4. वस्तु जोड़कर कुल वस्तु कितनी हुई, पन्ने पर बनाओ ।
5. बच्चे योगफल कहां लिखे किताब में समझाना ।

सुझाव :

1. जोड़ के लिए मौखिक व ठोस वस्तुओं (कंकड़, बीज आदि) डाइस (पासा/चपेटा) की मदद से गतिविधि करवाई जा सकती है ।
2. जोड़ के लिए एक-एक संगति की मदद ली जा सकती है ।
3. पन्ना करवाते समय वस्तुओं की जगह बच्चों को पात्र बनाकर जोड़ की गतिविधि करवाई जा सकती है ।

जंगल

उद्देश्य :

1. समूह छांटना ।
2. बारीक अवलोकन की क्षमता विकसित करना ।

निर्देश :

1. बच्चे क्रमशः पन्ने पर बने जानवर, पक्षी का एक-एक करके नाम बताएं । शिक्षक उन्हें तख्ते पर लिखें ।
2. इस पन्ने को चार भागों में लाइन खींचकर बांटा गया है, वहां चार जगह इनके नाम लिखे हैं ।
   1. पानी में रहने वाले
   2. जंगल में जमीन पर रहने वाले
   3. उड़ सकने वाले यानी पक्षी
   4. जो इस पन्ने में नहीं है पशु-पक्षी ।
3. शिक्षक और भी वर्ग बनाकर बच्चों से मौखिक पूछें । कौन किस वर्ग में आएगा ।
4. बच्चे उनके नाम स्वयं न लिख सकें तब शिक्षक बच्चों से पूछकर तख्ते पर लिखें और बच्चे उसे किताब पर उतारें या इसके लिए नाम लिखे चित्र कार्ड की मदद ले सकते हैं।

सुझाव :

1. इसी तरह चित्र कार्डों से वस्तुओं का उपयोग, रंग, गुण आदि के आधार पर छटाई करवाई जा सकती है।
2. जंगल व जानवरों को पात्र मानकर कहानी सुनाना ।
3. जंगली/पालतू/मांसाहारी जानवरों से नुकसान/फायदा पर बातचीत ।

गैय्या

उद्देश्य :- 1. वाक्य एवं शब्द पहचान ।

क्रिया :-

1. सामूहिक एवं व्यक्तिगत कविता सुनाना/सुनना ।
2. अपने घर या देखी हुई ऐसी घटना का वर्णन बच्चों से सुनना ।
3. कविता एक्शन के साथ करवाना ।
4. कविता में आए नए शब्द व बच्चों के पूर्व में परिचित शब्दों की पहचान व उपयोग पर जोर । इन्हें तख्ते पर लिखकर वाक्य पढ़वाने के लिये प्रोत्साहित करना ।

सुझाव :-

गाय के अंग, उसका भोजन, उससे लाभ एवं अन्य पालतू जानवरों पर बातचीत की जानी चाहिये ।

****

कितने - कितने

उद्देश्य :

1. शब्द पहचान, पढ़ना ।
2. अंकों की पहचान एवं जोड़ना ।
3. चिन्ह . . का उपयोग ।

निर्देश :

1. लिखे शब्द, वाक्य बच्चों से पढ़वाना, बताना, चित्र पर बातचीत के साथ मौखिक, जोड़ के मौखिक प्रश्न पूछना ।

2

2. ठोस वस्तुओं से, पन्ने पर कंकड़, बीज रखकर जोड़ करवाना ।
3. फलों को जोड़कर कुल कितने फल हुए नीचे बनाना। इसी तरह, गोले, लड़के, एवं चिड़ियां कुल कितनी हुई नीचे बनाना ।
4. अंकों में जोड़ करवाना । बताना योगफल कहां लिखें ।
5. खाली जगह में अंकों में या शब्दों में लिखवाना जैसे- गोले में दो या लड़के वाले सवाल में एक ।

सुझाव

1. जोड़ की गतिविधि, पन्ने के अलावा ठोस वस्तुओं से, तख्ते पर लिखकर भी करवानी चाहिए ।
2. सवाल कैसे करना है, उत्तर कहां लिखना है, ध्यान से बताना होगा क्योंकि इन बच्चों के लिए अभी जोड़ की शुरूआत ही है ।

पेड़

उद्देश्य :

1. शब्द पहचान, वाक्य पहचान ।
2. परिचित शब्द पढ़वाना ।

निर्देश :

1. पेड़ की कविता/सुनना व सुनाना ।
2. कविता के जो शब्द बच्चे पहले से जानने लगें हों उन्हें बोलकर गोले लगवाना ।
3. नए शब्दों की पहचान गोले लगवाना उन्हें जोड़कर नए शब्द बनवाना । कविता के पूरे वाक्य पढ़वाना ।

सुझाव :

1. चित्र की मदद से कविता के अलावा कहानी भी सुनाई जा सकती है ।
2. बच्चों के बीच घटी ऐसी किसी घटना को सुनाने के लिए कहना ।
3. चित्र से गिनती भी करवाई जा सकती है, कितने लोग कितने लड़के/लड़की कितने दौड़ रहे हैं, कितने पेड़ पर है आदि ।

-***-

जोड़म-जोड़

उद्देश्य :

1. दो समूहों का समान संख्या के आधार पर जोड़ ।
2. शब्द पहचान ।
3. वस्तु गिनना, अंक में लिखना ।

निर्देश :

1. लिखित शब्द व अंक को पढ़वाना ।
2. पहले मौखिक फिर लिखित जोड़ करवाना ।
3. एक सवाल तख्ते पर करके बनाना पूरी प्रक्रिया के साथ ।
4. रिक्त स्थान पर वस्तु गिनवाकर अंक में लिखवाना फिर . अंक में जोड़ने को कहना साथ ही कुल वस्तु कितनी हुई उनका भी चित्र बनाना है ।
5. स्लेट व तख्ते पर ठोस वस्तुओं से अभ्यास कर-वाना जरूरी है ।

सुझाव -

इस पन्ने में समूह के आधार पर जोड़ किया गया है ।
जैसे- हाथी और चूहा जानवरों के समूह में आते हैं ।
अतः कुल जानवर, कुल फल पूछें ।

अंगूर

उद्देश्य :

1. दस के आगे की गिनती ।
2. दाहई की अवधारणा ।
3. चित्र पहचानकर शब्द लिखना ।

निर्देश :

1. लोमड़ी और अंगूर की कहानी सुनाना ।
2. अंगूर पर कंकड़ रखकर गिनवाना । गुच्छे साथ बने ☐ खाने में अंकों में लिखवाना ।
3. खाने में कंकड़/बीज रखकर गिनवाना, जितने कंकड़ खाने में बने उतने खाने के ऊपर नीचे अंक में लिखवाना ।
4. अंगूर के नीचे अंगूर व पत्ती के नीचे "पत्ती" लिखवाना
5. पत्ती गिनवाकर लिखवाना ।
6. अंगूर व पत्ती में बोलकर पीला/हरा जो रंग शिक्षक कहें बच्चे भरें ।

सुझाव :

1. दहाई की धारणा विकसित करने के लिए दस-दस तीली का बंडल बनाकर उसमें एक-एक, दो-दो तीली जुड़वाना, कुल गिनवाना भी करवाया जा सकता है ।
2. तख्ते व स्लेट पर इसी तरह की अन्य गतिविधियों का अभ्यास भी करवाना चाहिए ।

चिड़िया

उद्देश्य :

1. लिखवाना । शब्द पहचान ।
2. चित्र बनवाना ।
3. गिनना ।

निर्देश :

1. शिक्षक, चित्र के आधार पर बच्चों को चिड़िया की कहानी/कविता बनाकर सुनाएं ।
2. पहले क्या होगा । चिड़िया अंडा आदि । जैसे- पहले अंडा, फिर चिड़िया अंडे पर बैठेगी फिर अंडे से बच्चे, बच्चों का चुगना और अंत में बच्चों का चिड़िया की तरह उड़ना । इसे बच्चों के बीच चित्र दिखाकर बातचीत के दौरान पूछना ।
3. नीचे बने खोखों में बच्चे एक दो शब्दों में लिखें व ऊपर के चित्र के साथ बने ☐ में क्रमशः नंबर लिखें की पहले कौनसा चित्र होगा फिर कौनसा ।

सुझाव : कहानी/कविता रूप से भी बताई जा सकती है और कविता संग्रह की मदद से भी ।
1.

इन्हें भी जोड़ो

उद्देश्य : जोड़ना

निर्देश :

1. अंक बोलकर मौखिक जोड़ करवाना ।
2. मदद के लिए नीचे आकृति एवं आकृति जोड़कर कुल कितनी आकृति होगी । इसका उदाहरण दिया गया । शेष सवालों में केवल अंक लिखे हैं । बच्चे अब तक इन अंकों की अवधारणा व पहचान करने लगे होंगे । इन्हें जोड़ना ।
3. ठोस वस्तुओं से अंक बोलकर जोड़ करवाना ।
4. तख्ते पर और उदाहरण देकर स्लेट पर करने को कहना ।

चतुर चुनमुनी

<u>उद्देश्य</u> :

1. गिनती क्रम समझना ।
2. अक्षर, शब्द, वाक्य पहचान बढ़ाना ।

<u>अन्य</u> : प्रत्येक चित्र में शिक्षक के निर्देशानुसार रंग भरना
1. (रंग पहचान) ।

<u>निर्देश</u> :

1. पूरी कहानी सुनाना, मौखिक ।
2. अंकों को क्रमशः जोड़कर मछली का चित्र पूरा करवाना ।
3. कहानी पढ़कर सुनाना-गाढ़े शब्दों में लिखे नाम पर जोर पहचान, वाक्य के साथ जोड़कर पढ़वाने की कोशिश करना ।
4. अभी तक बच्चे कुछ शब्द पहचानने लगे होंगे । पन्ने पर उन्हें वे शब्द ढूंढकर पढ़ने को कहना ।
5. परिचित शब्दों में एवं अन्य में एक अक्षर बोलकर उन पर गोले लगवाना जैसे - "म" पर गोले लगाओ । इसी तरह पूरा शब्द बोलकर, मछली पर गोला लगाओ आदि ।

सुझाव : चित्र कार्ड व अक्षर कार्ड की मदद ली जा सकती है ।

उद्देश्य :

1. गिनती दस के आगे ।
2. दस से आगे जोड़, दहाई का ।
3. शब्द पहचान वाक्य पढ़वाना ।

निर्देश :

1. पहले पूरी कहानी सुनाकर, सवाल मौखिक हल करवाना ।
2. फुग्गे पर कंकड़ रखवाकर गिनवाना । दोनों के फुग्गे मिलाकर कितने हुए, कंकड़ में गिनवाना फिर अंक में कैसे लिखे मदद करना । अंकों में जोड़ करवाना ।
3. दोनों पन्ने पर कुल कितने बच्चे हैं, लड़के-लड़की प्रत्येक के पास कितने-कितने फुग्गे हैं गिनवाना । जोड़कर कुल कितने होंगे पूछना ।
4. कहानी में मटरू, राजू, फुग्गा कहां लिखा है पहचानों अन्य शब्द पहचानकर, पूरा वाक्य पढ़ना/पढ़वाना ।

सुझाव :

दहाई की संख्याओं के जोड़ के लिए तख्ते व स्लेट पर और अभ्यास करवाना ।

— आसपास के मेले पर बच्चों के अनुभव शामिल करते हुए बातचीत ---

सेब के पेड़

उद्देश्य :

1. कम ज्यादा।अधिक चीजों के साथ ।
2. बड़ा-छोटा अधिक संख्या के आधार पर ।
3. शब्द पहचान के साथ वाक्य पढ़वाना ।

निर्देश :

1. दोनों पेड़ के गोले लाल एवं हरे रंग से रंगवाना जैसे पहला पेड़ लाल रंग से और दूसरा हरे रंग से । इस तरह नीचे के दो-दो खाने हरे एवं लाल रंग से रंगवा
2. पन्ना पढ़कर सुनाना ।
3. सेब पर कंकड रखकर बच्चे गिनें ज्यादा कौन से हैं - या . हरे । खोखे में कंकड़ रखकर उनके घर गिनवाना
4. सेब पर रखे कंकड़ वैसे ही रंग वाले खोखे में रखवाकर पूछना रहा खोखा हरे सेब रखने पर कितने घर खाली हैं । इसी तरह लाल खोखा, लाल सेब रखने पर कित घर खाली हैं । किसमें ज्यादा हैं किसमें कम ।
   यदि .हरे खोखे को पूरा भरना हो तो कितने लाल मिलाने होंगे । सेब की गिनती के लिए कंकड़, बीज मद्दद लेनी चाहिए ।
5. बच्चों से पन्ने पर लिखी चीजें पढ़ वानी चाहिए । इसके लिए उनकी मदद करना, पढ़कर सुनाना ।

सुझाव :

1. ऐसे ही और भी सवाल तख्ते पर लिखकर बच्चे से स्लेट करवाने चाहिए ।
2. अष्टा-चंगा, रूप्पा-पांसा (डाइस) के खेलों से मद्द लि